एक ग्रह, चार सूरज

यदि आपको सूर्योदय और सूर्यास्त देखना अच्छा लगता है, तो हाल ही में खोजा गया ग्रह पीएच-1 आपके लिए सही जगह है। यह अनोखा ग्रह दो सूर्यों का चक्कर काटता है जो खुद एक-दूसरे के इर्द-गिर्द घूमते हैं। और, ये दोनों तारे एक अन्य दूरस्थ तारा-जोड़ी की परिक्रमा करते हैं।

इस ग्रह पीएच-1 की उपस्थिति के पहले संकेत कुछ वालंटियर्स ने planethunters.org के ज़रिए प्राप्त किए थे। यह एक ऐसी वेबसाइट है जहां कोई भी व्यक्ति नासा की केपलर दूरबीन के आंकड़ों को देख सकता है। एक बार वालंटियर्स द्वारा इसके संकेत हासिल करने के बाद खगोल शास्त्रियों ने हवाई स्थित केक दूरबीन से इसका अवलोकन करके पुष्टि कर दी।

लगता है कि पीएच-1 एक गैसीय ग्रह है जिसका व्यास पृथ्वी से 6 गुना अधिक है। इस लिहाज़ से यह हमारे सौर मंडल के ग्रह नेप्चून से बड़ा है। यह जिन सूर्यों की परिक्रमा कर रहा है उनमें से एक हमारे सूर्य से थोड़ा बड़ा है और एक थोड़ा छोटा है। इसे परिक्रमा करने में 138 दिन लगते हैं। इस एक ग्रह-दो तारे मंडल से करीब 100 अरब किलोमीटर दूर एक अन्य सूर्य-जोड़ी है जो इस पहली जोड़ी की परिक्रमा कर रही है।

तारों की ऐसी चौकड़ियां असामान्य बात नहीं है मगर यह पहली चौकड़ी है जिसमें एक ग्रह भी देखा गया है। येल विश्वविद्यालय की खगोल शास्त्री मेग श्वाम्ब का कहना है कि इस तरह के तंत्र हमें यह सोचने को विवश करते हैं कि इस तरह के इतने गतिशील परिवेश में किसी ग्रह की उत्पत्ति कैसे हो सकती है। इस खोज की जानकारी हाल ही में अमेरिकन एस्ट्रॉनॉमिकल सोसायटी के ग्रह विज्ञान विभाग की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत की गई।

वैसे सूर्यास्त-सूर्योदय के दीवाने एक अन्य ग्रह केपलर 16 बी (दो ग्रहों की परिक्रमा करता ग्रह) या एचडी 188753 (एक अकेले तारे और उसकी परिक्रमा करती तारा-जोड़ी) को भी आज़मा सकते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***

अगले अंक में

स्रोत जनवरी 2012
अंक 288

- **पानी में घुलनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरण**
- **क्या खत्म हो जाएगा उत्तरी ध्रुव?**
- **भारत की बिजली समस्याः समाधान के रास्ते**

- **वायरस अनुसंधान से फैला नया डर**
- **क्यों टूटते हैं तारे?**